

श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

अश्विन नवरात्रि साधनाएं

१५-१०-२०२३ से २४-१०-२०२३

१) शत्रु नाश,कार्य सिद्धि , मुकदमे मे विजय,राज्य कार्य हेतु।

विधान: साधक या साधिकार्ये, स्नान आदि से निवृत्त होकर लाल वस्त्र धारण कर सामने गुरु चित्र और चण्डि/ दुर्गा यंत्र,स्वर्णाकर्षण गुटिका लगाकर, तेल का दीपक जलाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करें। नीचे दिए गए मंत्र को ९ दिनों तक नित्य ७ माला मुंगा की माला से जप करे। साधना के उपरान्त सामग्री विसर्जित करे।

सामग्री: चण्डि/ दुर्गा यंत्र,मुंगा माला,स्वर्णाकर्षण गुटिका

मंत्र: ॥ ॐ क्रीं कालिकाय कार्य सिद्धि देवी मम कार्य सिद्धि करि करि क्रीं क्रीं क्रीं हुं फट् ॥

जप संख्या: ७ माला

२) गृहस्थ सुख हेतु:

विधान: साधक या साधिकार्ये, स्नान आदि से निवृत्त होकर पीले वस्त्र धारण कर सामने गुरु चित्र लगाकर, पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करें। नीचे दिए गए मंत्र को ९ दिनों तक नित्य ७ माला रुद्राक्ष की माला से जप करे।

मंत्र: ॥ ॐ ह्रीं नमः॥

सामग्री: रुद्राक्ष माला

जप संख्या: ७ माला

३) सर्वत्र विजय,कार्य सिद्धि सुख,सौभाग्य, यश, कीर्ति एक सम्मान प्राप्ती के लिये ।

विधान: साधक या साधिकायें, स्नान आदि से निवृत्त होकर,लाल या पीले वस्त्र धारण कर सामने गुरु चित्र और दुर्गा देवि के चित्र या यंत्र लगाकर, पंचोपचार पूजन कर,पहले गुरु मंत्र जप करें,और इसके बाद **सहस्राक्षी चण्डी मंत्र** नित्य(९ दिन) ५१ बार पाठ करे ।

सामग्री: दुर्गा देवि के चित्र या यंत्र

जप संख्या: ५१ बार पाठ करे

४) दैवि शक्ती एवं कृपा प्राप्ती हेतु (साधना मे पूर्ण सफलता हेतु)

विधान: साधक या साधिकायें, स्नान आदि से निवृत्त होकर,लाल या पीले वस्त्र धारण कर सामने गुरु चित्र और सिद्ध चण्डी यंत्र या महा दुर्गा यंत्र लगाकर, पंचोपचार पूजन कर, सफेद हकीक माला से ९ दिन नित्य ३ माला जप करे ।

मंत्रः ॥ शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे ।

सर्वस्थार्ति हरे देवि नारायणि नमो स्तुते ।

सामग्रीः सिद्ध चण्डी यंत्र या महा दुर्गा यंत्र, सफेद हकीक माला

जप संख्याः ३ माला
